168.440 किलोग्राम डोडा पोस्त और 2 चोरी की लग्जरी कारें जब्त, 1 तस्कर गिरफ्तार

बालोतरा, (नि.सं.)। जिला बालोतरा पुलिस ने नशाखोरी पर प्रभावी नियंत्रण और मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन विष दमन के तहत एक बडी कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ तस्करी एवं वाहन चोरी के संगठित आपराधिक गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में 168.440 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त और चोरी की दो लग्जरी कारें जब्त की गई हैं। पुलिस ने आरोपी तस्कर मुकेश कुमार को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक रमेश आईपीएस ने बताया कि पुलिस मुख्यालय की मंशा के अनुरूप जिले में मादक पदार्थ तस्करी की रोकथाम के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोतरा गोपालसिंह भाटी आरपीएस और वृताधिकारी बायतु शिव नारायण चैधरी आरपीएस के निकटतम सुपरविजन में, जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) बालोतरा और बायतु थानाधिकारी महेश गोयल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। 17 अक्टूबर को डीएसटी बालोतरा द्वारा बायतु थानाधिकारी महेश गोयल उनि. को सूचना मिली कि लीलाला निवासी मुकेश कुमार पुत्र मानाराम जाट अवैध डोडा पोस्त तस्कर है और उसके घर पर चोरी की इनोवा क्रिस्टा व टाटा हैरियर गाडियाँ खडी हैं तथा अवैध डोडा पोस्त की खेप छिपाकर रखी हुई है। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम ने आरोपी मुकेश कुमार के रहवासी ढाणी और उसके खेत में दबिश दी। तलाशी के दौरान, आरोपी द्वारा खेत में बाजरे की फसल के बीच, डोका के नीचे छिपाकर रखे गए 8 प्लास्टिक के काले कट्टों से कुल 168.440 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद किया गया।

इसके अतिरिक्त, आरोपी के घर के आगे खडी चोरी की सफेद रंग की इनोवा क्रिस्टा कार जब्त की गई, जिस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी। जांच में पता चला कि वाहन के चेसिस नंबर घिसे हुए थे और डोडा पोस्त परिवहन के लिए पिछली सीटें हटाई गई थीं। कार के अंदर से अलग-अलग नंबरों की 6 फर्जी नंबर प्लेटें भी बरामद हुईं। इसी प्रकार एक अन्य बिना नम्बरी सफेद रंग की टाटा हैरियर कार भी जब्त की गई, जिसके चेसिस नंबर भी घिसे हुए थे। पुलिस ने मौके से आरोपी मुकेश कुमार पुत्र मानाराम जाट निवासी लीलाला, थाना बायतु को गिरफ्तार किया। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा के तहत आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध कर अग्रिम अनुसंधान जारी है।

बालोतरा के निकट बायतु पुलिस ने अवैध डोडा पोस्त सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया। फोटो राष्ट्रदूत

- बायतु थानाधिकारी महेश गोयल के नेतृत्व में पुलिस टीम को सफलता मिली

फ्रिज में अचानक ब्लास्ट, हड़कम्प मचा

भीलवाड़ा। जिले के मांडल उपखंड क्षेत्र के चक्की चौराहा (कोचरिया) में बीती रात एक मकान की रसोई में रखे फ्रिज में अचानक ब्लास्ट हो गया, जिससे क्षेत्र में हडकम्प मच गया। यह घटना चक्की चौराहा निवासी किशन पुत्र शंकर गुर्जर के मकान में हुई। विस्फोट के बाद आग की लपटें उठने लगीं और स्थिति गंभीर हो गई।बताया गया कि रसोई में रखे फ्रिज के पास एलपीजी गैस सिलेंडर रखा हुआ था, जिससे बड़ा हादसा होने की आशंका थी। इसी बीच पास के मकान से सरपंच के पुत्र कमलेश गुर्जर मौके पर पहुंचे। लोगों ने उन्हें सिलेंडर के पास होने की सूचना दी। कमलेश ने बिना किसी हिचकिचाहट के आग की लपटों के बीच सिलेंडर को बाहर निकाल लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने का कारण रसोई में लगे आरओ सिस्टम में हुई स्पार्किंग बताई गई है, जिससे आग फ्रिज तक पहुंची। और धमाका हुआ। हालांकि इस घटना में किसी की जान ना जाने की जानकारी मिली है, लेकिन रसोई का सामान जलकर नष्ट हो गया।

'ओपीएस योजना बंद करना राज्य कर्मचारियों के साथ अन्याय'

भरतपुर (निस)। राजस्थान में भाजपा सरकार द्वारा ओपीएस (ओल्ड पेंशन स्कीम) योजना को बंद किए जाने के निर्णय का जिला कांठोस कमेटी के अध्यक्ष दिनेश सूपा सहित समस्त पदाधिकारीयों ने कड़ा विरोध किया है।

जिलाध्यक्ष दिनेश सूपा ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री जननायक अशोक गहलोत ने कर्मचारीयों के भविष्य की सुरक्षा निश्चित करने के उद्देश्य से ओल्ड पेंशन स्कीम योजना लागू की थी, लेकिन वर्तमान भाजपा सरकार ने बदले की नीयत से कार्रवाई करते हुए। इस योजना में फेरबदल करके नई पेंशन स्कीम योजना लागू करने के आदेश जारी किए हैं। जो की पूर्णतया न्याय संगत नहीं है एवं कर्मचारियों के हित में भी नहीं है।

इस नई पेंशन स्कीम में कई तरीके की विसंगतियां है जो कि कर्मचारियों के भविष्य को अंधकार में ले जाएंगी। जिला अध्यक्ष सूपा ने बताया कि राज्य में बोर्ड, निगम और विश्वविद्यालय कर्मचारीयों पर एनपीएस योजना लागू करने जो निर्णय भाजपा सरकार द्वारा लिया गया है, उसे तुरंत राज्य सरकार द्वारा कर्मचारीयों के हित में वापस ले लेना चाहिए।

दिनदहाड़े मोटरसाइकिल चोरी

भीलवाड़ा। जिले के आसींद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास रविवार को दिनदहाड़े मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है, जिसने इलाके की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह घटना मुख्य बाजार के बीचो-बीच हुई, जो कस्बे में रहने वाले लोगों के लिए बड़ी चिंता का विषय बनी हुई है।पिछले कुछ महीनों से आसींद क्षेत्र में चोर गिरोह की सक्रियता के कारण कई दर्जनों मोटरसाइकिल चोरी होने की घटनाएं सामने आ रही हैं। हाल ही में पुलिस ने इस गिरोह का खुलासा करते हुए कार्यवाही भी की थी, लेकिन इसके बावजूद चोरी की घटनाएं थम नहीं रहीं। रविवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने बाइक चोरी की घटना के सीसीटीवी फुटेज में चोरों की हिम्मत साफ नजर आई, जो दिनदहाड़े खुलेआम मोटरसाइकिल चोरी करते दिखे।इस लगातार बढ़ती घटनाओं से इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। लोग सुरक्षा को लेकर असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और पुलिस की कार्यवाही को लेकर सवाल उठा रहे हैं। स्थानीय प्रशासन और पुलिस से जल्द ठोस कदम उठाने की मांग जोर पकड़ी है ताकि चोर गिरोह पर नियंत्रण पाया जा सके और आम जनता का रहने-खाने का माहौल सुरक्षित बनाया जा सके।

रोडवेज की बसों को जयपुर भेजने के 8 लाख रुपए गबन के मामले के महत्वपूर्ण दस्तावेज गायब

श्रीगंगानगर। यहां श्रीगंगानगर डिपो की ओर से रोडवेज की बसों को डेरा सच्चा सौदा के लिए जयपुर भेजने के 8 लाख रुपए गबन के मामले के महत्वपूर्ण दस्तावेज गायब हो गए। इस संबंध में तत्कालीन ट्रैफिक मैनेजर नरेंद्रपाल राणा के खिलाफ कोतवाली थाने में केस दर्ज करवाया गया है। इसकी जांच हेड कांस्टेबल रामकिशोर को सौंपी गई है। परिवादी रोडवेज आगार मुख्य प्रबंधक नरेंद्र चौधरी की ओर से कोतवाली में भेजे गए परिवाद में बताया गया है कि डेरा सच्चा सौदा के अनुयायियों को रोडवेज बसों में नियम विरुद्ध जयपुर भेजने के मामले की जांच विचाराधीन है। इस संबंध में मुख्यालय द्वारा रिकॉर्ड मांगा गया था।

ऑडिट शाखा में कार्यरत कार्मिक इन्द्रपाल कौर ने नोटशीट के जरिए बताया कि तत्कालीन ट्रैफिक मैनेजर नरेंद्रपाल सिंह राणा ने 15 दिसंबर 2024 को रविवार के अवकाश के दिन रिपोर्ट भेजने का कहकर उससे चाबी मंगवाकर वाहनों की समस्त डेटा स्टेशनरी निकाल ली। बार-बार मौखिक रूप से कहने के बावजूद नरेंद्रपालसिंह राणा ने दस्तावेज वापस कार्यालय में जमा नहीं करवाए। नरेन्द्रपालसिंह राणा ने सरकारी रिकॉर्ड को ही गायब कर दिया। यह मामला वर्ष 2023 का है।

- ट्रैफिक मैनेजर नरेंद्रपाल राणा के खिलाफ कोतवाली थाने में केस दर्ज कराया है

डेरा सच्चा सौदा सिरसा को जयपुर में सत्संग के दौरान रोडवेज की बसें बुक कीं। नियमानुसार ये बसें कॉन्ट्रेक्ट कैरिज के प्रति किलोमीटर के रेटों पर जानी चाहिए थीं जोकि रूटीन रूट प्रति किमी से अधिक रेट थे। लेकिन श्रीगंगानगर आगार के तत्कालीन मुख्य प्रबंधक दीपक भोभिया (वर्तमान में बारां आगार प्रबंधक) तथा ट्रैफिक मैनेजर नरेंद्रपालसिंह राणा (वर्तमान में सहायक प्रशासनिक अधिकारी निलंबित और नागौर पदस्थापित) ने मिलकर डेरे की ओर से एकमुश्त रकम लेकर जेब में रख ली।

इन्होंने 34 बसें 30 सितंबर 2023 को जयपुर भेजीं। ये बसें 2 अक्टूबर 2023 को वापस पहुंचीं। सभी के परिचालकों से श्रीगंगानगर से जयपुर की टिकटें कटवाकर रिकॉर्ड में रख लीं। परिचालकों को यह बताया ही नहीं गया कि उक्त बसों के कॉन्ट्रेक्ट कैरिज का किराया लिया जा चुका है। इसमें कॉन्ट्रेक्ट कैरिज और रूट के रेट में 8 लाख रुपए का अंतर था। यह रकम दोनों ने गबन कर ली। इसकी शिकायत हुई। रोडवेज सूत्रों के अनुसार मामले की शिकायत होते ही ट्रैफिक मैनेजर नरेंद्रपाल राणा ने 15 दिसंबर 2024 को सबसे पहले टिकटों का रिकॉर्ड गायब किया। हालांकि इसके बाद उसका प्रमोशन भी हो गया और अब वह सहायक प्रशासनिक अधिकारी है। गबन की जांच को एक ऑडिट टीम 30 दिसंबर को ही जिला मुख्यालय से जांच पूरी करके जयपुर लौटी है। आरोपी राणा द्वारा रिकॉर्ड गायब करने के बाद अब उनको अनूपगढ़ में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत से 9 अक्टूबर को निलंबित करके नागौर आगार मुख्यालय लगाया गया है।

साथ ही सरकारी रिकॉर्ड चोरी करने या खुर्दबुर्द करने के आरोप में केस दर्ज करवाया गया है। ऑडिट रिपोर्ट मुख्यालय को प्रस्तुत की जा चुकी है। संभावना है कि अक्टूबर माह में ही मुख्यालय जांच रिपोर्ट के आधार पर भी कार्रवाई कर देगा।

भाजपा नेता की पिटाई मामले में एएसआई और कांस्टेबल लाइन हाजिर

जोधपुर, (कासं)। बीजेपी के शासन में ही बीजेपी कू एक नेता की पुलिस द्वारा पिटाई का मामला सामने आया है। इस मामले में एक एएसआई और कांस्टेबल को पुलिस लाइन हाजिर कर दिया गया है। मामला भोपालगढ़ थाने का है।

भोपालगढ़ थाने में भाजपा के मंडल महामंत्री को रातभर बंद रख मारपीट की गई। बीजेपी जिलाध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी ठामीण एसपी कार्यालय पहुंच गए। यहां उन्होंने एडीसीपी के सामने विरोध जताया। विवाद बढ़ता देख पिटाई करने के आरोप में एएसआई गोविंदराम और कॉन्स्टेबल दिलीप को भोपालगढ़ थाने से ठामीण पुलिस लाइन हाजिर कर दिया गया। इधर इस विरोध से जुड़ा वीडियो भी सामने आया है, जिसमें भाजपा देहात जिलाध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी एडीसीपी भोपालसिंह लखावत से पुलिस की कार्यप्रणाली के खिलाफ रोष जताते हुए नजर आए। गुस्साए जिलाध्यक्ष ने यहां तक बोल दिया कि हमारी सरकार है और आप हमारे ही पदाधिकारी को पीट रहे हो, ऐसा नहीं चलेगा। मैं इसको लेकर सीएम, डीजीपी को भी शिकायत करूंगा। यदि आपने एक्शन नहीं लिया तो मैं अपने हिसाब से कार्रवाई कराऊंगा।

सार-समाचार

राजकार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज कराया

रुदावल भरतपुर (निस)। रूदावल कस्बे में शनिवार को ट्रेलर के चपेट में आने से विवाहिता की मौत के बाद मृतका के परिजनों एवं ठामीणों ने की पुलिस से हाथापाई कर ट्रेलर में तोड़फोड़ कर दी। परिजनों एवं ठामीणों ने पुलिस की ओर से पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखे शव को जबरन निकाल कर सडक पर रखकर शव को अपमानित किया गया। घटना को लेकर रूदावल थाना के ड्यूटी ऑफिसर भरत लाल की ओर से 19 नामजद लोगों सहित 100-150 लोगों के खिलाफ राजकार्य में बाधा डालने एवं पुलिस के साथ धक्का-मुक्की करने एवं राजमार्ग को जाम करने का मामला दर्ज कराया है। रूदावल थाना पुलिस के सहायक उप निरीक्षक भरत लाल की ओर से दर्ज कराए मामले में बताया है कि पुलिस को सूचना मिली थी कि बस स्टेण्ड पेट्रोल पंप के सामने एक ट्रेलर के चालक ने तेज गति व लापरवाही से ट्रेलर को चलाकर एक अपाचे मोटरसाईकिल को टक्कर मार दी है। जिससे मोटरसाईकिल पर पीछे बैठी सवारी मालती पत्नि सत्येन्द्र प्रजापति निवासी सायपुर की मौत हो गई है। सूचना पर पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा तो मृतका के परिजन एवं ठामीणों ने राजमार्ग को जाम कर दिया। राजमार्ग को जाम करने वालों को नेतृत्व गोविन्द गुर्जर निवासी रानपुर कर रहा था। इन लोगों में भूपेन्द्र, राजेन्द्र, बनय सिंह, महेश, रघु शर्मा, सीता प्रजापत, राहुल शर्मा, पवन, विष्णु प्रजापत, नीरू, बिजेन्द्र, लाखन, जगन्नाथ, लेखराज, हरोम प्रजापत, महावीर, महेश, रतन, गोविन्द गुर्जर सहित 100-150 लोग शामिल थे। पुलिस जाप्ता ने घटना करने वाले ट्रेलर को लाने का प्रयास किया तो इन लोगों ने पुलिस के साथ गाली गलौच करते हुए भयोपरत किया एवं राजकार्य में बाधा डाली गई। इन लोगों की ओर से मोर्चरी से शव को निकालकर सडक पर रखकर शव का भी अपमान किया। जब पुलिस ने इन लोगों को रोका तो नामजद सहित अन्य लोगों ने पुलिस से धक्का-मुक्की की गई।

भाजपा नेता की पिटाई मामले में एएसआई और कांस्टेबल लाइन हाजिर

जोधपुर, (कासं)। बीजेपी के शासन में ही बीजेपी कू एक नेता की पुलिस द्वारा पिटाई का मामला सामने आया है। इस मामले में एक एएसआई और कांस्टेबल को पुलिस लाइन हाजिर कर दिया गया है। मामला भोपालगढ़ थाने का है। भोपालगढ़ थाने में भाजपा के मंडल महामंत्री को रातभर बंद रख मारपीट की गई। बीजेपी जिलाध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी ठामीण एसपी कार्यालय पहुंच गए। यहां उन्होंने एडीसीपी के सामने विरोध जताया। विवाद बढ़ता देख पिटाई करने के आरोप में एएसआई गोविंदराम और कॉन्स्टेबल दिलीप को भोपालगढ़ थाने से ठामीण पुलिस लाइन हाजिर कर दिया गया। इधर इस विरोध से जुड़ा वीडियो भी सामने आया है, जिसमें भाजपा देहात जिलाध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी एडीसीपी भोपालसिंह लखावत से पुलिस की कार्यप्रणाली के खिलाफ रोष जताते हुए नजर आए। गुस्साए जिलाध्यक्ष ने यहां तक बोल दिया कि हमारी सरकार है और आप हमारे ही पदाधिकारी को पीट रहे हो, ऐसा नहीं चलेगा। मैं इसको लेकर सीएम, डीजीपी को भी शिकायत करूंगा। यदि आपने एक्शन नहीं लिया तो मैं अपने हिसाब से कार्रवाई कराऊंगा। उन्होंने कहा कि जिन पुलिसकर्मियों ने उनकी पार्टी के पदाधिकारी के साथ मारपीट की है, उसे सामने लाया जाना चाहिए। उसके खिलाफ कार्रवाई हो। उसे किस अपराध में थाने लाकर बंद किया गया। क्या वो कोई हिस्ट्रीशीटर है जो पुलिस पकड़कर थाने लाई। जिलाध्यक्ष भाटी ने कहा कि रातभर उनके मंडल के पदाधिकारी के साथ थाने में मारपीट की गई। उनके शरीर पर कई जगहों पर निशान है। जबकि पुलिस थाना भोपालगढ़ के थाना अधिकारी बोल रहे हैं उन्हें पता ही नहीं, ये कैसे संभव है। जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि पुलिस जानबूझकर भाजपा के पदाधिकारियों को टारगेट कर रही है। उन्होंने इस मामले में आगे उच्च स्तर पर शिकायत करने की भी बात कही। बताया जा रहा है कि जिस पदाधिकारी के साथ मारपीट हुई उसका नाम हेमंत शर्मा है, जो भोपालगढ़ मंडल के महामंत्री हैं। आरोप है की पुलिस ने झूठी गिरफ्तारी कर उन्हें शांति भंग की धाराओं में गिरफ्तार किया और रात को पुलिस एएसआई और दो सिपाही ने मिलकर मारपीट की। इसका पता चलने के बाद भाजपा देहात जिला अध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी ने भोपालगढ़ पुलिस थाने जाकर विरोध जताया।

भीलवाड़ा यूआईटी भूखंड लॉटरी विवाद : विधायक कोठारी ने उठाई निष्पक्ष जांच की मांग

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा नगर विकास न्यास (यूआईटी) द्वारा हाल ही में आयोजित 3081 भूखंडों की ई-लॉटरी प्रक्रिया अब विवादों के घेरे में आ गई है। भीलवाड़ा विधायक अशोक कुमार कोठारी ने इस पूरी प्रक्रिया की प्रामाणिकता को लेकर भीलवाड़ा के जनमानस में व्याप्त असंतोष का हवाला देते हुए राजस्थान सरकार के नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा को एक पत्र लिखा है। विधायक कोठारी ने जनहित में इस पूरी लॉटरी की उच्चस्तरीय कमेटी से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके और किसी भी दोषी व्यक्ति या अधिकारी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा सके। विधायक कोठारी ने 18 अक्टूबर 25 को मंत्री खर्रा को लिखे अपने पत्र में कहा है कि हमारी सरकार का मूल मंत्र "सभी का साथ - सभी का विकास" है और शासन व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखना प्राथमिकता है।उन्होंने मंत्री खर्रा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि गत बजट घोषणा के अनुरूप भीलवाड़ा यूआईटी ने 3081 भूखंडों की लॉटरी 16 अक्टूबर 25 को नगर निगम सभागार में आयोजित की थी।विधायक ने पत्र में लॉटरी से जुड़े चौंकाने वाले आंकड़े भी प्रस्तुत किए। लॉटरी हेतु यूआईटी ने करीब 92,414 फॉर्म विक्रय किए थे, जिसमें से 90,359 आवेदन पत्र जमा हुए। न्यास ने जांच के बाद 1549 आवेदन पत्रों को निरस्त किया, जबकि जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) को उपलब्ध कराए गए डेटा में से जेडीए ने एक ही स्कीम में एक ही आधार पर किए गए एक से अधिक आवेदनों के कारण 571 और आवेदन निरस्त किए। अंततः 88,239 आवेदन लॉटरी में शामिल हुए, जबकि भूखंड केवल 3081 थे।विधायक कोठारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा की "लॉटरी उपरांत प्रक्रिया की प्रामाणिकता को लेकर भीलवाड़ा के जनमानस में असंतोष है।" और यह विषय जनहितार्थ और बड़ी संख्या में लोगों की भावनाओं से जुड़ा है, इसलिए इसकी विश्वसनीयता बहाल करना आवश्यक है। पत्र में विधायक कोठारी ने स्वायत शासन मंत्री से पुरजोर आठाह किया है कि भीलवाड़ा यूआईटी द्वारा आयोजित इस लॉटरी की निष्पक्ष जांच एक उच्चस्तरीय कमेटी से कराई जाए। उन्होंने तर्क दिया है कि जांच के बाद यदि कोई भी व्यक्ति या अधिकारी लॉटरी प्रक्रिया में दोषी पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जानी चाहिए। विधायक कोठारी की इस पहल से भीलवाड़ा के हजारों भूखंड आवेदकों की चिंताओं को सीधे सरकार तक पहुंचाने का प्रयास है, जिससे भूखंड आवंटन प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता आ सके।

- जनमानस में असंतोष को लेकर मंत्री खर्रा को लिखा पत्र

मोबाइल फोन ढूंडकर उनके मालिकों को लौटाया

करौली । करौली में दीपावली के पांच दिवसीय महापर्व को शांति और सुरक्षा के साथ मनाने की तैयारियों के तहत शनिवार को करौली कोतवाली में नागरिक संपर्क समूह (सीएलजी) की बैठक हुई। इसमें शहर की शांति व्यवस्था, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन पर चर्चा की गई। बैठक में यातायात व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। दीपोत्सव के दौरान शहर के परकोटे के अंदर चार पहिया और तिपहिया वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। यह फैसला भीड़भाड़ को नियंत्रित करने और आवाजाही को सुगम बनाने के उद्देश्य से लिया गया है। सीएलजी बैठक के बाद करौली पुलिस ने एक सराहनीय कार्य किया। पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर खोए हुए 45 मोबाइल फोन ढूंढकर उनके असली मालिकों को लौटाए। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) गुमनाराम ने कहा कि पुलिस का मुख्य लक्ष्य जिले में शांति कायम करना है।

बीजेपी के पूर्व मंत्री की बेटी के घर हमला

पति, बेटे-बहू को लाठी-डंडों से पीटा, पिस्टल तानी

श्रीगंगानगर । यहां भाजपा नेता और पूर्व मंत्री सुरेंद्र पाल सिंह टीटी की बेटी के घर बदमाशों ने हमला कर दिया। हमलावर फर्जी पुलिसवाले बनकर घुर में घुसे और टीटी के दामाद गुरुचरण रमाना और उनके बेटे-बहू के साथ मारपीट की।

लाठी-डंडों से हमले के बाद आरोपियों ने परिवार पर पिस्टल भी तान दी। घटना देर रात करीब 10.30 बजे केसरीसिंहपुर थाना इलाके के 42 जीजी गांव की है। हमले की जानकारी के बाद 5 थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। हालांकि, रविवार सुबह तक आरोपियों का सुराग नहीं मिला था। घटना का आज सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। एसपी अमृता दुहन ने बताया- व्यापारी गुरुचरण रमाना के घर शनिवार रात अज्ञात हमलावर घुसे थे। उन्होंने खुद को पुलिसकर्मी बताया था।

- घटना देर रात करीब 10.30 बजे केसरीसिंहपुर थाना इलाके के 42 जीजी गांव की है। हमले की जानकारी के बाद 5 थानों की पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस के अनुसार व्यापारी गुरुचरण सिंह रमाना श्रीगंगानगर से अपने गांव लौट रहे थे। घर पहुंचने पर उनके पीछे पुलिस की वर्दी पहने 2 युवक भी आ गए। युवकों ने रमाना से बातचीत करने का अनुरोध किया और उन्हें घर की बैठक में चलने को कहा। जैसे ही व्यापारी ने बैठक का दरवाजा खोला, दोनों युवक अंदर आते ही उनसे मारपीट करने लगे। इसके बाद 4-5 अन्य बदमाश भी घर में घुस आए। उन्होंने रमाना के बेटे-बहू के साथ भी मारपीट की। बदमाशों ने गुरुचरण सिंह रमाना के साथ मारपीट की और घर में लगे सीसीटीवी कैमरों को भी तोड़ दिया। बदमाशों ने व्यापारी से बार-बार सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर मांगा, लेकिन रमाना ने उन्हें कोई जानकारी नहीं दी और शोर मचाया। बदमाशों ने व्यापारी की बहू पर भी हमला किया।

उसने एक कमरे में जाकर खुद को बंद कर परिचितों को फोन करने की कोशिश की, लेकिन बदमाशों ने कमरे का दरवाजा तोड़ दिया और उनके तथा उनके बेटे के मोबाइल फोन छीन लिए। शोर सुनकर घर की छत पर सो रहा परिवार नीचे आया। डीवीआर नहीं मिलने पर बदमाश मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए। एसपी अमृता दुहन ने बताया कि घटना के बाद 5 थानों की पुलिस श्रीगंगानगर कोतवाली, श्रीकरणपुर, पदमपुर, केसरीसिंहपुर और गजसिंहपुर पुलिस मौके पर पहुंची है। हालांकि, घर में लूट की कोई बड़ी घटना नहीं हुई है। सभी आरोपी अज्ञात थे। जिनकी तलाश की जा रही है।

ओवरब्रिज का काम अगले सप्ताह से

बूंदी। एनएच-52 तालेड़ा से हिंडौली के बीच 4 कट पर ओवरब्रिज निर्माण के वर्क ऑर्डर जारी कर दिए गए हैं। करीब 175 करोड़ की लागत आएगी। एक साल में बनाकर तैयार कर लिया जाएगा। एनएचएआई ने पिछले महीने टेंडर प्रक्रिया पूरी की थी।

ओवरब्रिज व सर्विस रोड बनने से दुर्घटनाओं में कमी आएगी। एनएच-52 पर कोटा की तरफ वाले कट पर, बरूधन चौराहे, रामगंजबालाजी व अशोक नगर चमन चौराहे वाले कट पर ओवरब्रिज निर्माण करेगा। इसके अलावा बेसखा स्थित कट से कांची घाटी तक, सिलोर रोड पुलिया से रेलवे स्टेशन पुलिया तक व तालेड़ा बूंदी वाले कट पर भी सर्विस रोड निर्माण होगा। तालेड़ा में कोटा की ओर मौजूद कट जहां ओवर ब्रिज बनना है।

ओवरब्रिज बनने से यहां पर होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी। इसके अलावा बरूधन चौराहे, रामगंजबालाजी व अशोक नगर के पास एक्सीडेंटल पॉइंट बने हुए हैं। यहां 3 साल में करीब 20 बड़े हादसे हो चुके हैं। इनमें 18 लोगों की जान जा चुकी। इसी तरह हिंडौली से चैनपुरिया, जहाजपुर जाने व आने वाले लोगों को सर्विस रोड नहीं होने से गलत दिशा में चलना पड़ता है।

- एनएच-52 तालेड़ा से हिंडौली के बीच 4 कट पर ओवरब्रिज निर्माण के वर्क ऑर्डर जारी कर दिए गए हैं।

यहां महीनेभर में 3-4 एक्सीडेंट होते हैं। सर्विस रोड बनने से वाहन चालकों का सुगमता होगी। वहीं बूंदी सिलोर रोड चौराहे से रेलवे स्टेशन तक व तालेड़ा में बूंदी वाले कट पर सर्विस रोड के निर्माण होगा।

इन कटों पर ओवरब्रिज बनाने के लिए एनएचएआई की कोटा यूनिट ने एक साल पहले प्रस्ताव भेजा था। इसके बाद स्वीकृति आने पर इसी साल इनकी डीपीआर तैयार कर टेंडर प्रक्रिया शुरू की थी। वर्क ऑर्डर जारी किए हैं। अगले 1-2 हफ्ते में काम शुरू हो जएगा।

जिलों को शीघ्र मिलेंगे कांग्रेस अध्यक्ष

करौली (निंसं.)(फोटो-पी-1) राजस्थान में कांठोस ने आगामी चुनावों के मद्देनजर संगठनात्मक गतिविधियां तेज कर दी हैं। पार्टी 2028 के विधानसभा और 2029 के लोकसभा चुनावों को लक्ष्य बनाकर जिलों में अपने ढांचे को मजबूत करने में जुटी है। इसी क्रम में करौली में एक महत्वपूर्ण बैठक की गई, जिसमें प्रदेश स्तर के पर्यवेक्षक और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। करौली में एआईसीसी पर्यवेक्षक नदीम जावेद ने बताया कि संगठन को मजबूत करने के लिए सृजन अभियान चल रहा है। उन्होंने घोषणा की कि जल्द ही जिलों को नए अध्यक्ष मिलेंगे। जावेद ने कहा कि पार्टी का मुख्य फोकस 2028 के विधानसभा और 2029 के लोकसभा चुनावों पर है।पर्यवेक्षक नदीम जावेद के अनुसार, भाजपा की नीतियों और 'वोट चोरी' के मामलों को लेकर आमजन में रोष है। इसी आधार पर कांठोस आगामी चुनावों में राज्य और केंद्र दोनों जगह सरकार बनाने का दावा कर रही है।जावेद ने जानकारी दी कि संगठन सृजन अभियान के तहत जिले की प्रत्येक विधानसभा में बैठकें आयोजित की गईं। इस दौरान कांठोस जिला अध्यक्ष पद के लिए 50 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं।

फेकें नहीं हमें दें , ई-रिक्शा रैली माध्यम से आमजन को दिया संदेश

भरतपुर (निस)। बाल अधिकारिता विभाग द्वारा नवजात शिशुओं को फेकें नहीं हमें दें का ई-रिक्शा रैली के माध्यम से भरतपुर शहर में जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।

- बाल अधिकारिता विभाग द्वारा नवजात शिशुओं को फेकें नहीं हमें दें का ई-रिक्शा रैली के माध्यम से भरतपुर शहर में जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया

बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक अमित अवस्थी ने बताया कि जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग के कार्यालय राजेन्द्र नगर, भरतपुर से बाजार के मुख्य मार्गों से नवजात शिशुओं को लावारिस अवस्था में फेकें नहीं हमें दें के बारे में लागों को जागरूक करने के लिए वरिष्ट सहायक दुर्गेश पचौरी ने ई-रिक्शा रैली का हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। रैली के माध्यम से आमजन से अपील की गई कि नवजात शिशुओं को फेंकने की बजाय गोपनीय तरीके से सरकार द्वारा संचालित पालना गृह जनाना हॉस्पीटल मोरी चार बाग, भरतपुर एवं नारी निकेतन परिसर में छोडने के लिए लोगों को जानकारी प्रदान की गई। शिशु को पालना गृह में छोडने वाले व्यक्ति की पहचान गुप्त रखी जाएगी। लावारिस नवजात शिशु की देखरेख एवं सुरक्षा सरकार द्वारा की जाएगी। रैली के माध्यम से लोगों को बताया कि कोई भी व्यक्ति किसी भी बच्चें को कानूनी तरीके से गोद ले सकता है। अगर किसी भी व्यक्ति को कहीं पर भी कोई लावारिस, अनाथ, बेसहारा बच्चा मिले तो इसकी सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं पुलिस कंट्रोल रूम 100/112 पर दे सकते हैं. इस दौरान बाल अधिकारिता विभाग के विकास चतुर्वेदी एवं चाइल्ड हेल्पलाइन के कॉर्डिनेटर प्रेमराज परनामी तथा चाईल्ड हैल्पलाईन के समस्त कर्मचारी उपस्थित थे।

बाल अधिकारिता विभाग द्वारा नवजात शिशुओं को फेकें नहीं हमें दें का ई-रिक्शा रैली के माध्यम से भरतपुर शहर में जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।